

प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया

प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया :

प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया,
मोर मुकुट पीत झगुली सोहत,
कनक पैजनी बाजत पडियाँ,
प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया-----

गिरत परत फिरि पुलकित देखत,
सीखत श्याम अब
चलन बकईयाँ,
प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया-----

निरखि निरखि सुत नन्द यशोदा,
ऊर आनंदित लेत बलैया,
प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया-----

सिसु विनोद हरि करत अगनवां,
नन्द भवन खूब बजत बधईया,
प्रथमहि घुटुरन चलत कन्हैया----- ।।

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>